भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4942

01 अप्रैल, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: एनएफएसएम के तहत कपास संबंधी विशेष परियोजनाएं

4942. श्री लावू श्रीकृष्णा देवरायालूः

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के अंतर्गत कपास संबंधी विशेष परियोजनाओं के लिए जारी की गई धनराशि का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) कपास संबंधी विशेष परियोजना के कार्यान्वयन के लिए पहचाने गए समूहों और जिलों विशेषकर आंध्र प्रदेश का ब्यौरा क्या है;

(ग) उन समूहों का विशेषकर आंध्र प्रदेश का ब्यौरा क्या है जहां कपास के लिए हाई डेंसिटी प्लांटिंग सिस्टम (एचडीपीएस) और क्लोजर स्पेसिंग प्लांटिंग प्रणाली को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया है; और

(घ) क्या सरकार ने परियोजना के हस्तक्षेप के माध्यम से कपास उत्पादकता में सुधार का मूल्यांकन करने के लिए विशेष परियोजना का कोई आकलन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान (सीआईसीआर), नागपुर द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (पूर्ववर्ती राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन) के अंतर्गत 2023-24 से कपास पर एक विशेष परियोजना 'कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों के लिए प्रौद्योगिकियों को लक्षित करना- कपास उत्पादकता बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम पद्धतियों का बड़े पैमाने पर प्रदर्शन' को कार्यान्वित किया जा रहा है। आईसीएआर-सीआईसीआर, नागपुर को 2023-24 और 2024-25 के दौरान क्रमशः 2093.42 लाख रुपये और 2548.94 लाख रुपये की राशि जारी की गई है।

(ख) और (ग): कपास पर विशेष परियोजना 2023-24 के दौरान आंध्र प्रदेश सहित 8 राज्यों के 61 जिलों में 9064 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए कार्यान्वित की गई है। इसके अलावा, परियोजना 2024-25 के दौरान आंध्र प्रदेश सहित 8 राज्यों के 65 जिलों में 14740 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए कार्यान्वित की जा रही है।

आंध्र प्रदेश में, 2023-24 के दौरान 6 जिलों (अनंतपुरमु, गुंटूर, एनटीआर कृष्णा, कुरनूल, नंद्याल और पलनाडु) के 20 क्लस्टरों (गूटी, पेद्दवडुगूरु, पामिडी, यादिकी, अमरावती, अचम्पेट, चिलकलुरिपेट, एडलापाडु, ताडिकोंडा, ए. कोंडुरु, जी. कोंडुरु, मायलावरम, रेड्डिगुडेम, ओर्वाकल, मिडथुर, नंदीकोटकुर, दाचेपल्ली, मचावरम, पिदुगुराल्ला और माचेरला) में 980.27 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए उच्च घनत्व रोपण प्रणाली (एचडीपीएस) और क्लोजर स्पेसिंग (सीएस) हस्तक्षेप का प्रदर्शन किया गया है। इसके अलावा, 2024-25 के दौरान, एचडीपीएस और सीएस हस्तक्षेपों को 6 जिलों (अनंतपुरमु, गुंटूर, एनटीआर कृष्णा, कुरनूल, नंद्याल और पलनाडु) के 19 क्लस्टरों (गूटी, पेद्दवडुगूरु, गुंटूर, प्रथीपाडु, ए. कोंडुरु, रेडिगुडेम, अडोनी, देवनकोंडा, नंदावरम, पेद्दाकाडाबुर, येम्मीगनूर, जुपाडु बंगला, मिडथुर, नंदीकोटकुर, अचम्पेट, दाचेपल्ली, क्रोसुरु, मचावरम और पिदुगुरल्ला) में 714.56 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए प्रदर्शित किया गया है।

(घ): कपास पर इस विशेष परियोजना के तहत उच्च घनत्व रोपण प्रणाली (एचडीपीएस) प्रौद्योगिकी, क्लोजर स्पेसिंग (सीएस) प्रौद्योगिकी और एक्स्ट्रा लॉन्ग स्टेपल (ईएलएस) कपास के प्रदर्शित भूखंडों में कपास की औसत उत्पादकता 2023-24 के दौरान क्रमशः 30.40%, 39.15% और 6.81% और 2024-25 के दौरान क्रमशः 39.81%, 32.45% और 18.91% बढ़ी है।

*****